



श्री
श्री
श्री
श्री
श्री

श्री
श्री
श्री
श्री
श्री



DESIGN NO	DESCRIPTION	PRICE
1701	CHANYA CHOLI	4265/-
1702	CHANYA CHOLI	4035/-
1703	CHANYA CHOLI	4545/-
1704	CHANYA CHOLI	3635/-
1705	CHANYA CHOLI	3635/-
1706	CHANYA CHOLI	4095/-
1707	CHANYA CHOLI	4375/-
1708	CHANYA CHOLI	4435/-
1709	CHANYA CHOLI	4205/-
1710	CHANYA CHOLI	4375/-
	TOTAL	41600/-
	12% GST EXTRA ON ABOVE RATE	



1701



સાંકળોને આપણને
સાંભળવાનો શ્રેય,
જ્યાં જ્યાં આપણે
જીવે છીએ તે જ્યાં.



1702



1703



સાંકળોને આપણને
સાંભળવાનો શ્રેય,
જ્યાં જ્યાં આપણે
જીવે છીએ તે જ્યાં.



1704



1705



1706



1707



1708



1709



1710



शुद्धिमेव महाविद्यालय
अभिमानमेव विद्या।
तुल्यं तुल्यैरेव समाने-केवला
सर्वेषु सुखं सुखिणोऽप्यस्य ॥



1705





पिंकिसिंह, नारायणगढ़,
जयपुर।
पुस्तकालय, नारायणगढ़,
जयपुर।



श्रीलाला चक्रगानिहन्ता,
विश्वामित्रो विधाता।

श्रीलाला चक्रगानिहन्ता,
विश्वामित्रो विधाता।
श्रीलाला चक्रगानिहन्ता,
विश्वामित्रो विधाता।

1709







विश्वविद्यालय
महाराष्ट्र
मुंबई



1704

नामो नमो शिवाय
नमो शिवाय





ॐ
सिद्धिस्तु नमोऽर्चयाम्,
सर्वकार्येषु सर्वदा।
तुभ्यै नमस्कृत्यैवमेव
सर्वं कुर्यात्सर्वदा ॥



हिजा अता
सथि यत्त
जाता पु
तदात्तु क



श्री
श्री
श्री
श्री
श्री

तथातु कृष्णाङ्गकर्मजन्म

1703

विश्वकर्मा स्वर्गनिर्माता,
सर्वविद्यासागरः त्रिभुवः।
पुराण-समुदाये परमशिल्पिनः
सर्वत्र प्रसिद्धः विश्वकर्मा, सः॥



1703

कौतु कुसुमाक्षरिता

